

2002 ҳадис / «АЛИФ» ҳарфи / 715-ҳадис

الصَّلَاةُ فِي الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ بِمِائَةِ أَلْفِ صَلَاةٍ، وَالصَّلَاةُ فِي مَسْجِدِي بِأَلْفِ صَلَاةٍ وَالصَّلَاةُ فِي بَيْتِ
الْمَقْدِسِ بِخَمْسِمِائَةِ صَلَاةٍ.

(رَوَاهُ الطَّبْرَانِيُّ)

Масжидул Ҳаромда ўқилган намоз (савоби) юз минг намоз (савоби) кабидир.
Менинг масжидимда ўқилган намоз (савоби) минг намоз (савоби) сингаридир. Бай-
тул Макдисда ўқилган намоз (савоби) беш юз намоз (савоби) кабидир.

Табароний ривояти.

Манба: hadis.islom.uz

